बंगाल की खाड़ी की ओर बहने वाली नदियां ....

राजस्थान GK PDF

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु

-----Download Now-----

सामान्य विज्ञान वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Click Here

भारत GK

◆ प्रश्नोत्तरी ◆ नोट्स

सम्पूर्ण PDF

Click Here डाउनलोड

राजस्थान

प्रदेश से बंगाल की खाड़ी की ओर बहने वाली नदियाँ-I

बाण गंगा नदी-बाणगंगा नदी को याद करने की सिखवाल की ट्रिक- बाण बे जय ने दो भर फतेह की।

बाण - बाणगंगा नदी	बे - बैराठ की पहाड़ी (विराट नगर)
जय - जयपुर	दो - दौसा
भर - भरतपुर	फतेह - फतेहाबाद

बाणगंगा नदी-इसे अर्जुन की गंगा व ताला नदी कहते है। इसके किनारे जयपुर में बैराठ सभ्यता विकसित है, तो दौसा में माधोसागर बाँध परियोजना स्थित है। यह राजस्थान की दूसरी नदी है जो अपना जल सीधा यमुना में डालती है जिसकी कुल लम्बाई 240 किलोमीटर है।

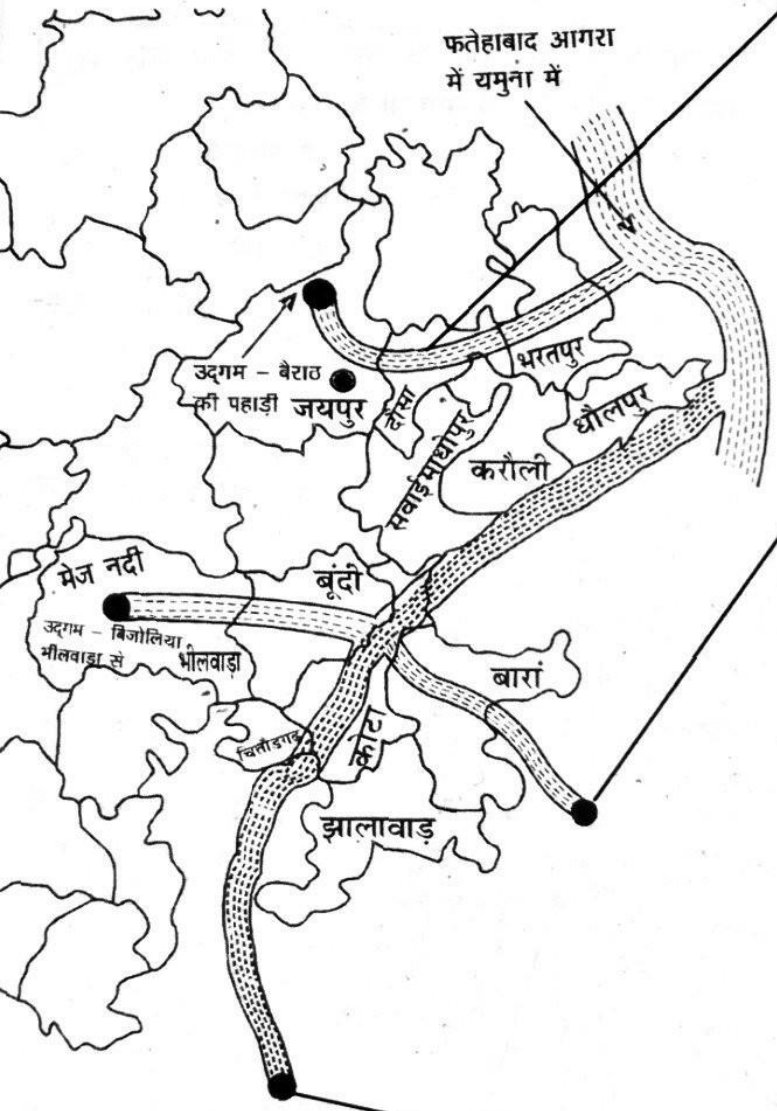

पार्वती नदी प्रथम-पार्वती नदी के प्रवाह क्षेत्र को याद करने की सिखवाल की ट्रिक-

पाव सेक दे बाके और पलास मे दे

पाव-पार्वती नदी	दे-देवास जिला (मध्यप्रदेश)
सेक-सेहोर क्षेत्र	बा-बाराँ
के-करयाहट (बाराँ)	पला-पालिया (सवाईमाधोपुर)
स-सवाई माधोपुर (चम्बल नदी)	

पार्वती नदी उद्गम-मध्य प्रदेश के सेहोर क्षेत्र से राजस्थान में प्रवेश-करयाहट (बारां) नामक स्थान पर। यह पालिया (कोटा में) चम्बल नदी में मिल जाती है। पार्वती बेसिन राजस्थान और मध्यप्रदेश राज्य के बीच प्राकृतिक सीमा का सृजन करती है।

चम्बल नदी को याद करने की सिखवाल की ट्रिक-

चम्बल से जाना चित्र कूट और अपने पाप सवार कर धौ लेना और उन्हें इमु की यमुना में डाल आना।

जाना-जानापाव की पहाड़ी (मध्यप्रदेश)	
चित्र-चित्तौड़गढ़ के समीप, चौरासीगढ़ से राजस्थान में प्रवेश	
कूट-कोटा	सवार-सवाई माधोपुर
कर-करौली	धौ-धौलपुर (उत्तरप्रदेश)
इ-इटावा	मु-मुरादगज
यमुना-यमुना में मिलेगी	

चम्बल की प्रमुख सहायक नदियों को याद करने की सिखवाल की ट्रिक-

चम्बल मे पाका कु बाब मिलता है।

- मे-मेज नदी
- पा-पार्वती नदी
- का-काली सिंध
- बा-बामनी/ब्राह्मणी
- ब-बनास

सावन-भादो परियोजना (कोटा) चम्बल नदी पर स्थित है।

चम्बल नदी उद्गम-मध्य प्रदेश के इन्दौर जिले के महु के निकट जानापाव पहाड़ी से। इस नदी को "चर्मण्वती नदी, राजस्थान की कामधेनु, बारहमासी नदी, नित्यवाही नदी" आदि नामों से जाना जाता है। यह एकमात्र नदी है जो अन्तर्राज्यीय सीमा (राजस्थान, मध्यप्रदेश) बनाती है। विश्व की एकमात्र नदी जिसके 100 किलोमीटर के दायरे में तीन बाँध बनाये गये हैं और तीनों पर ही जल विद्युत उत्पादन किया जाता है। राजस्थान में सर्वाधिक अवनलिका अपरदन चम्बल नदी से होता है, तो राजस्थान में चम्बल बेसिन क्षेत्र उत्खात स्थलाकृति के लिए प्रसिद्ध है। इसकी प्रवाह प्रणाली वृक्षाकार हैं जिसका बहाव दक्षिण से उत्तर की ओर है। यह राज्य की बहाव क्षेत्र की दृष्टि से सबसे लम्बी नदी है। नदी की कुल लम्बाई 1051 किमी. है, मध्यप्रदेश में 320 किमी. + राजस्थान में 322 किमी. + अंतर्राज्यीय सीमा मध्यप्रदेश, राजस्थान व उत्तरप्रदेश सीमा 252 किमी. + उत्तरप्रदेश में 157 किमी. बहती है। एलीनिया सिंचाई परियोजना चम्बल नदी के किनारे स्थित है।

राजस्थान

प्रदेश से बंगाल की खाड़ी की ओर बहने वाली नदियाँ-II

बनास नदी- उद्गम-खमनोर की पहाड़ी कुम्भलगढ़ से। इसे ''वर्णाशा नदी, वशिष्टि नदी व वन की आशा'' आदि नामों से जाना जाता है। यहराजस्थान में पूर्ण बहाव की दृष्टि से सबसे लम्बी नदी है, जिसकीकुल लम्बाई 512 किलोमीटर है तथा इस नदी काजल ग्रहण क्षेत्र सर्वाधिक है। इस नदी परतीन त्रिवेणी संगम है। 1.बींगोद (भीलवाड़ा) मेंमेनाल नदी ,बनास नदी वबेड़च नदी मिलती है। 2. देवली के निकटबीसलपुर (टोंक) मेंडाई नदी, खारी नदी वबनास नदी मिलती है। 3.रामेश्वरम् (सवाईमाधोपुर) मेंचम्बल, बनास वसीप नदी मिलती है। (Imp.: मेनाल झरना भीलवाड़ा व चित्तौड़गढ़ जिलों की सीमा पर स्थित है, तोझाडोल सिंचाई परियोजना राजस्थान कीबनास नदी पर स्थित है।)

बनास नदी-बनास नदी को याद करने की सिखवाल की ट्रिक- बनास खेराज उचित भला वअटूट सा है।

- खे- खमनौर की पहाड़ी (राजसमंद)
- राज- राजसमंद
- चित- चित्तौड़गढ़
- भला- भीलवाड़ा
- अ- अजमेर
- टूट- टोंक
- सा- सवाई माधोपुर (रामेश्वर, चम्बल नदी)

बनास नदी की सहायक नदीयों को याद करने की सिखवाल की ट्रिक- बे मामे मो को खा ले।

- बे- बेड़च
- मा- मानसी
- मे- मेनाल
- मो- मोरेल
- को- कोठारी
- खा- खारी

खारी नदी-बनास की सहायक खारी नदी को याद करने की सिखवाल की ट्रिक- खारीबीज राज भील कोआटा दे।

- बीज- बीजराल की पहाड़ी
- राज- राजसमंद
- भील- भीलवाड़ा
- आ- अजमेर
- टा- टोंक
- दे- देवली तहसील (बीसलपुर)

कोठारी नदी-बनास की सहायक नदी कोठारी को याद करने की सिखवाल की ट्रिक- कोठा दि मेज भी बनास मे बहती है।

- कोठा- कोठारी नदी
- दि- दिवेर की पहाड़ी (राजसमंद)
- मेज- मेजा बाँध भी- भीलवाड़ा
- बनास- बनास नदी

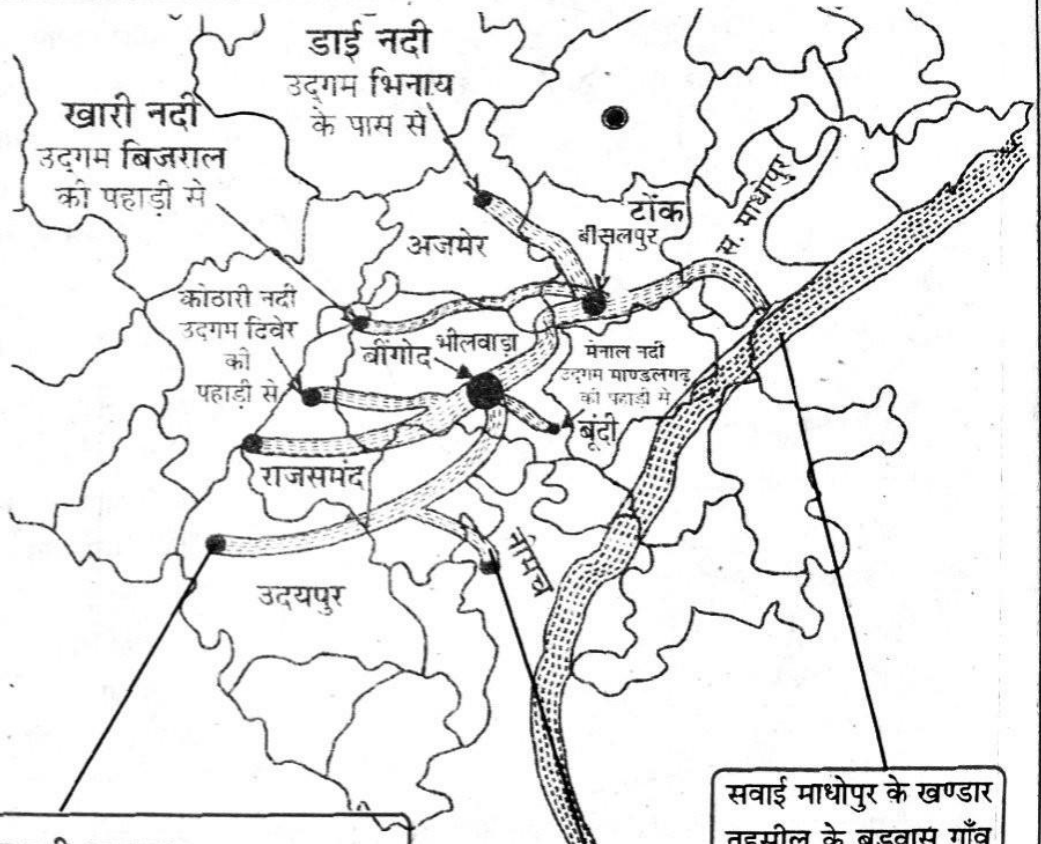

बेड़च (आयड़)-बनास की सहायक नदी आयड़/ बेड़च नदी को याद करने की सिखवाल की ट्रिक-

आ बे गोचि मेबीग करभील के पास बनास मे जा।

- आ- आयड़
- बे- बेड़च
- गो- गोगुन्दा की पहाड़ी
- चि- चित्तौड़गढ़
- बी- बींगोद
- भील- भीलवाड़ा

बेड़च नदी- उद्गम-गोगुन्दा की पहाड़ी से इस नदी कोउदय सागर झील से पहले आयड़ नदी तोबाद में बेड़च नदी कहते हैं। इसके किनारेआहड़ सभ्यता विकसित हुई। । इस नदी कीकुल लम्बाई 157 किलोमीटर है।

सवाई माधोपुर के खण्डार तहसील के बड़वास गाँव मेंरामेश्वरम् नामक स्थान पर चम्बल में मिलती है।

गम्भीरी नदी उद्गम-जावद गाँव (मध्यप्रदेश) व चित्तौड़गढ़ के पास बेड़च नदी में मिलती है।

राजस्थान

प्रदेश से बंगाल की खाड़ी की ओर बहने वाली नदियाँ-III

जलप्रपात-(1) चूलिया जल प्रपात-भैंसरोड़गढ़ (चित्तोड़गढ़) में चम्बल नदी पर, (2) भीमलत जल प्रपात-भीमलत (बूंदी) माँगली नदी पर, (3) मेनाल जल प्रपात-मेनाल (भीलवाड़ा) मेनाल नदी व ऊपरमाल पठार पर, (4) अरणा-जरणा जल प्रपात-जोधपुर में, (5) दमोह जल प्रपात (धोलपुर) में।

नदियों को जोड़ने से संबंधित योजना 'अमृत क्रांति' है, तो भारतीय इंजीनीयर मोक्षमुण्डम विश्वेश्वरैया को 'राजस्थान में नदियों को जोड़ने की परियोजना का जनक' कहा जाता है।

मेनाल नदी-बनास की सहायक मेनाल नदी को याद करने की सिखवाल की ट्रिक-

बे मामे भी बीग कर बनास मे गया।

बे-बेगूँ (चित्तौड़गढ़)
मा-मांडलगढ़ की पहाड़ी (भीलवाड़ा)
मे-मेनाल जल प्रपात
भी-भीलवाड़ा
बीग-बींगोद नामक स्थान पर बनास में

कालीसिंध नदी-कालीसिंध नदी के प्रवाह क्षेत्र व उसकी सहायक नदियों को याद करने की सिखवाल की ट्रिक-

आप काली के चन्द्र है इसलिए काली का
देबाग के झाला राय के साथ गौना हो गया।

कालीसिंध नदी की सहायक नदियाँ-
आ-आहू नदी
प-परवन नदी
चन्द्र-चन्द्रभागा

कालीसिंध नदी का प्रवाह क्षेत्र-
दे-देवास जिला (मध्यप्रदेश) उद्गम
झाला-झालावाड़
राय-रायपुर (झालावाड़) नामक स्थान पर राजस्थान में प्रवेश
गौ-गागरोन का दुर्ग (आहू नदी व कालीसिंध का संगम)
ना-नानेरा (कोटा) चम्बल में मिलती है।

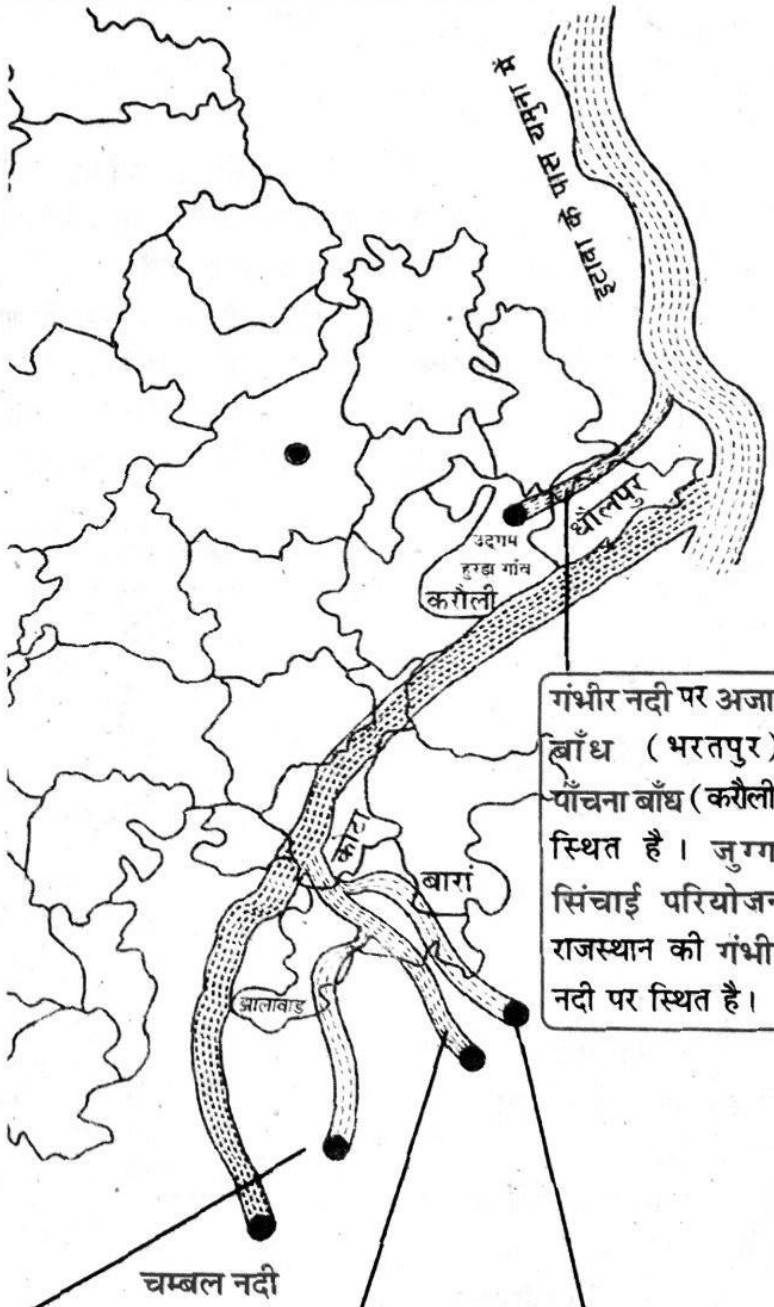

गंभीर नदी पर अजान बाँध (भरतपुर), पाँचना बाँध (करौली) स्थित है। जुग्गर सिंचाई परियोजना राजस्थान की गंभीरी नदी पर स्थित है।

आहु नदी-उद्गम्-सुसनेर (मध्य प्रदेश) से, तो राजस्थान में प्रवेश नन्दपुर गाँव (झालावाड़) में। यह गागरोन के किले के पास (झालावाड़) में कालीसिंध नदी में मिल जाती है।

कालीसिंध नदी-उद्गम-देवास (मध्य प्रदेश) के बागली गाँव की पहाड़ी से। राजस्थान में प्रवेश रायपुर गाँव (झालावाड़) में, तो नानेरा (कोटा) में चम्बल नदी में मिल जाती है।

परवन नदी-उद्गम-मध्य प्रदेश के मालवा के पठार से। राजस्थान में प्रवेश खरीबोर गाँव (झालवाड़) में। यह रामगढ़ कोटा में कालीसिंध नदी में मिल जाती है। इसी नदी पर बारां जिले में परवन परियोजना शुरू की गई।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

राजस्थान क्लासेज

- विषयवार ई- बुक यहाँ से देखे
- Youtube पर ऑनलाइन क्लासे देखे
- लेटेस्ट पोस्ट (GK क्विज)
- 1000 प्रश्न ई-बुक Download
- राजस्थान GK ई- बुक डाउनलोड
- Computer E- book Download
- Rajasthan Gk Questions
- India Gk Questions
- One Liner Gk Questions

राजस्थान सामान्य ज्ञान
वन लाइनर प्रश्न-उत्तर
500+ क्लिक करें एवं पढ़ें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
लाइव क्लास की सभी पीडीएफ
फ्री डाउनलोड करें
क्लिक करके डाउनलोड करें एवं पढ़ें

SSC GD
All Old Paper PDF
Solved Paper
PDF DOWNLOAD